(Pages : 3)

**E – 3769**

**Reg. No. : .....**

**Name : .....**

# Fourth Semester M.A. (Hindi) Degree Examination, July 2018
## HL 242 : DRAMA AND ONE ACT PLAYS
## (2015 Admn. Onwards)

Time : 3 Hours

Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए : **(10×1=10 Marks)**

1) भारतेन्दुजी की 'मौलिक नाट्य' कृति कौन-सी है ?
(विद्यासुंदर, मुद्राराक्षस, दुर्लभ बंधु, सत्य हरिशचन्द्र)

2) प्रसादजी के एकांकी का नाम क्या है ?
(ध्रुवस्वामिनी, स्कंदगुप्त, एक घूंट, विशाखा)

3) 'लहरों के राजहंस' नाटक के रचनाकार का नाम
(उपेन्द्रनाथ अश्क, मोहन राकेश, लक्ष्मीनारायण लाल, शंकरशेष)

4) 'रौशन' किस एकांकी का पात्र है ?
(तांबे के कीड़े, रीढ़ की हड्डी, लक्ष्मी का स्वागत, बहुत बड़ा सवाल)

5) 'गोबरधन दास' किस नाटक का पात्र है ?
(आधे-अधूरे, अंधेर नगरी, अंधा कुआ, अंधायुग)

6) 'नींद क्यों रात भर नहीं आती' किसका एकांकी संकलन है ?
(उपेन्द्रनाथ अश्क, मोहन राकेश, सुरेन्द्र वर्मा, शंकरशेष)

7) निम्नलिखित में कौन-सा नाटक लक्ष्मीनारायण लाल का नहीं ?
(अंधेर नगरी, अंधा कुआ, अंधायुग, कर्फ्यू)

8) निम्नलिखित में प्रसादयुगीन नाटककार कौन है ?
(राधाकृष्ण दास, मोहन राकेश, बालकृष्ण भट्ट, उदयशंकर भट्ट)

9) ''कोमल गांधार'' नाटक की कथा किस पर आधारित है ?
(रामायण, महाभारत, पंचतंत्र, किस्सागोई)

10) आधे-अधूरे की रचना मोहन राकेश ने किस वर्ष में की थी ?
(1959, 1969, 1979, 1960)

gcwcentrallibrary.in

P.T.O.

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×5=15 Marks)**

1) 'भूख आग है' नाटक का प्रतिपाद्य क्या है ?

2) ''औपनिवेशिक शासन की नीति पर करारा व्यंग्य है अंधेर नागरी'' – स्पष्ट कीजिए।

3) 'मादा कैक्टस' नाटक के शीर्षक की सार्थकता।

4) 'कोमल गांधार' में गांधारी का स्त्रीवादी दृष्टिकोण।

5) चन्द्रगुप्त नाटक में गीत योजना।

6) आधे-अधूरे की पात्र योजना में प्रयोग धर्मिता।

III. क) किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×10=20 Marks)**

1) ऐतिहासिक नाटककार प्रसादजी के नाटकों की विशेषताओं पर आलोचनात्मक विचार प्रस्तुत कीजिए।

2) ''सब के सब एक से है। अलग-अलग मुखौटे, पर चेहरा सब का एक ही।'' आधे-अधूरे के इस प्रस्ताव पर लेख लिखिए।

3) 'कोमल गांधार' के प्रमुख पात्रों की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ख) किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1×10=10 Marks)**

1) एकांकी के तत्वों के आधार पर 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए।

2) 'हरी घास पर घंटे भर' में एकांकीकार ने किस समस्या का उद्घाटन करने का प्रयास किया है ?

IV. क) किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये । **(3×5=15 Marks)**

1) पिता का पता नहीं, झोंपड़ी भी न रह गयी। सुवासिनी अभिनेत्री हो गयी-संभवत: पेट की ज्वाला से। एक साथ दो-दो कुटुम्बों का सर्वनाश और कुसुमपुर फूलों की सेज में ऊंघ रहा है ! क्या इसीलिए राष्ट्र की शीतल छाया का संगठन मनुष्य ने किया था।

2) हाँ, पूछकर ही जानना है आज । कितने साल हो चुके है मुझे ज़िंदगी का भार ढ़ोते ? उनमें से कितने साल बीते है मेरे इस परिवार की देख-रेख करते ? और उस सब के बाद मैं आज पहुँचा कहाँ हूँ।

gcwcentrallibrary.in

3) तुम साधारण सी बात को कुछ ज्यादा ही महत्व दे रहे हो। इस विवाह में न तो महत्त्व है इस लड़की का और न ही धृतराष्ट्र का ....।

4) राजकुमारी, प्रेम में स्मृती का ही सुख है। एक तीस उठती है, वही तो प्रेम का प्राण है। आश्चर्य तो है कि प्रत्येक कुमारी के हृदय में वह निवास करती है। पर उसे सब प्रत्यक्ष नहीं कर सकती, सब को उस का मार्मिक अनुभव नहीं होता।

5) मुझे सिर्फ इतना पूछ लेने दे इनसे कि रबड़-स्टैम्प के माने क्या होते है ? एक अधिकार, एक रुतबा, एक इज्जत-यही न ?

6) ये लोग समझ लें, स्त्री एक खाली ज़मीन नहीं है जिसे आसानी से रौंदकर शांती से जिया जा सकें ! कुरुवंश को अपने इस अन्याय की कीमत झुकानी ही होगी।

ख) किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिये। **(1×5=5 Marks)**

1) दुनिया व्यवहार इतना शुष्क इतना निर्मम, इतना क्रूर है ? मैं उससे नफरत करता हूँ। क्या ये लोग नहीं समझते कि यह जो मर जाती है, वह भी किसी की लड़की होती है, किसी माता-पिता के लाड़ में पाली होती है, फिर उसके मरते ही सगाइयां लेकर लौड़ाते है।

2) जी हाँ, और हमारी बेइज्ज़ती नहीं होती, जो आप इतनी देर से नाप-तोल कर रहे है ? और ज़रा अपने इन सा साहबजादे से पूछिए कि अभी पिछली फरवरी में ये लड़कीयों के हॉस्टल के इर्द-गिर्द घूम रहे थे, और वहाँ से कैसे भगाए गए थे !

gcwcentrallibrary.in